संप्रभु ग्रीन बॉण्ड

प्रलिम्सि के लयि:

संप्रभु ग्रीन बॉण्ड की वशिषताएँ, बजट 2022 में प्रमुख घोषणाएँ।

मेन्स के लयि:

वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन, संप्रभु ग्रीन बॉण्ड।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में बजट 2022 में वत्ति मंत्री ने हरति बुनयिादी ढाँचे के लयि संसाधन जुटाने हेतु संप्रभु ग्रीन बॉण्ड जारी करने का प्रस्ताव कयिा है।

- इसके माध्यम से प्राप्त आय को सार्वजनकि क्षेत्र की ऐसी परयिोजनाओं में नविश कयिा जाएगा, जो अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को कम करने में मदद करती हैं।
- यह घोषणा वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने की भारत की प्रतबिद्धता के अनुरूप है।

ग्रीन बॉण्ड क्या हैं?

- ग्रीन बॉण्ड वभिनि्न कंपनयिों, देशों एवं बहुपक्षीय संगठनों द्वारा वशिेष रूप से सकारात्मक पर्यावरणीय या जलवायु लाभ वाली परयिोजनाओं को वत्तिपोषति करने हेतु जारी कयि जाते हैं और नविशकों को नश्चिति आय भुगतान प्रदान करते हैं।
- इन परयिोजनाओं में नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ परवहिन एवं हरति भवन आदि शामलि हो सकते हैं।
- ग्रीन बॉण्ड के माध्यम से प्राप्त आय को हरति परयिोजनाओं के लयि प्रयोग कयिा जाता है। यह अन्य मानक बॉण्डों के वपिरीत है, जसिकी आय जारीकर्त्ता के ववेिक पर वभिनि्न उद्देश्यों हेतु उपयोग की जा सकती है।
- वर्ष 2007 में इस बाज़ार की स्थापना के बाद से अंतर्राष्ट्रीय हरति बॉण्ड बाज़ार में 1 ट्रलियिन अमेरकिी डॉलर से अधकि का संचयी नर्गिमन हुआ है।
- लंदन स्थति 'क्लाइमेट बॉण्ड्स इनशिएिटवि' के अनुसार, वर्ष 2020 के अंत तक 24 राष्ट्रीय सरकारों ने कुल मलिाकर 111 बलियिन डॉलर के संप्रभु ग्रीन, सोशल और सस्टेनेबलिटिी बॉण्ड जारी कयि थे।

ग्रीन बॉण्ड हेतु सॉवरेन गारंटी का क्या महत्त्व है?

- **सॉवरेन ग्रीन नर्गिम** सरकारों एवं नयिामकों को जलवायु कार्रवाई और सतत् वकिास के इरादे का एक शक्तशिाली संकेत भेजता है।
- यह घरेलू बाज़ार के वकिास को उत्प्रेरति तथा संस्थागत नविशकों को प्रोत्साहन प्रदान करेगा।
- यह स्थानीय जारीकर्त्ताओं के लयि बेंचमार्क मूल्य नर्धारण, तरलता और एक प्रदर्शन प्रभाव प्रदान करेगा, जसिसे स्थानीय बाज़ार के वकिास का समर्थन करने में मदद मलिेगी।
- वशि्व ऊर्जा आउटलुक रपिोर्ट 2021 का अनुमान है कि उभरती/वकिासशील अर्थव्यवस्थाओं में नेट ज़ीरो तक पहुँचने के लयि अतरिक्ति 4 ट्रलियिन अमेरकिी डॉलर का 70% खर्च करने की आवश्यकता है, सॉवरेन जारी करने से पूंजी के इन बड़े प्रवाहों को शुरू करने में मदद मलि सकती है।

बजट में घोषति जलवायु कार्रवाई पर अन्य उपाय क्या हैं?

- बजट में जलवायु कार्रवाई पर कई उपाय शामलि थे, जैसे:
  - बैटरी स्वैपगि नीति।
  - उच्च दक्षता वाले सौर मॉड्यूल के नर्माण के लयि पीएलआई योजना के तहत अतरिक्ति आवंटन।
  - सरकार एक नया वधियक पेश कर रही है जसिका उद्देश्य भारत में कार्बन बाज़ार के लयि एक नयिामक ढाँचा प्रदान करना है ताकि ऊर्जा

मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा के प्रवेश को प्रोत्साहित किया जा सके।

आगे की राह

- **फ्राँसीसी मॉडल का अनुसरण:** भारत, फ्राँस के उदाहरण का अनुसरण कर सकता है, जिसमें बजट प्रक्रिया हेतु प्रत्येक बजट लाइन के लिये एक हरे रंग का गुणांक प्रदान किया जाता है, जिसके अनुसार बजट व्यय का निर्धारण छह पर्यावरणीय प्राथमिकताओं- जलवायु परिवर्तन शमन, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, जल प्रबंधन, परिपत्र अर्थव्यवस्था, प्रदूषण, और यूरोपीय संघ की जैव विविधता के सापेक्ष हरे गुणांक के आधार पर किया जाता है।
- **सामंजस्यपूर्ण मानक:** एक मज़बूत ग्रीन बॉण्ड बाज़ार विकसित करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू दिशा-निर्देशों व मानकों में सामंजस्य स्थापित करना सबसे महत्त्वपूर्ण आवश्यकताओं में से एक है।
    - हरित निवेश का गठन करने के संदर्भ में एकरूपता की भी आवश्यकता होती है, क्योंकि विभिन्न टैक्सोनॉमी एक सीमा पार ग्रीन बॉण्ड बाज़ार का विरोध करेंगे।
- **निजी क्षेत्र से लाभ प्राप्त करना:** उभरते बाज़ारों में जारीकर्त्ताओं को ग्रीन बॉण्ड से संबंधित लाभों और प्रक्रियाओं द्वारा ज्ञान प्राप्त कर उपयुक्त क्षमता निर्माण प्रयासों से बाज़ार में प्रवेश हेतु संस्थागत बाधाओं को दूर करने में मदद मिलेगी।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sovereign-green-bonds